



उत्तराखण्ड शासन

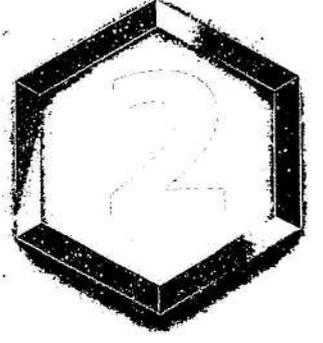


उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद
सूचना एवं विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तराखण्ड शासन

वार्षिक प्रतिवेदन 2021

कार्यपूति दिग्दर्शिका 2021



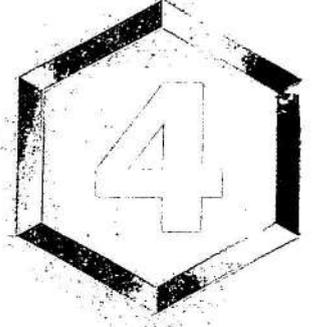


वित्तीय वर्ष 2021-22

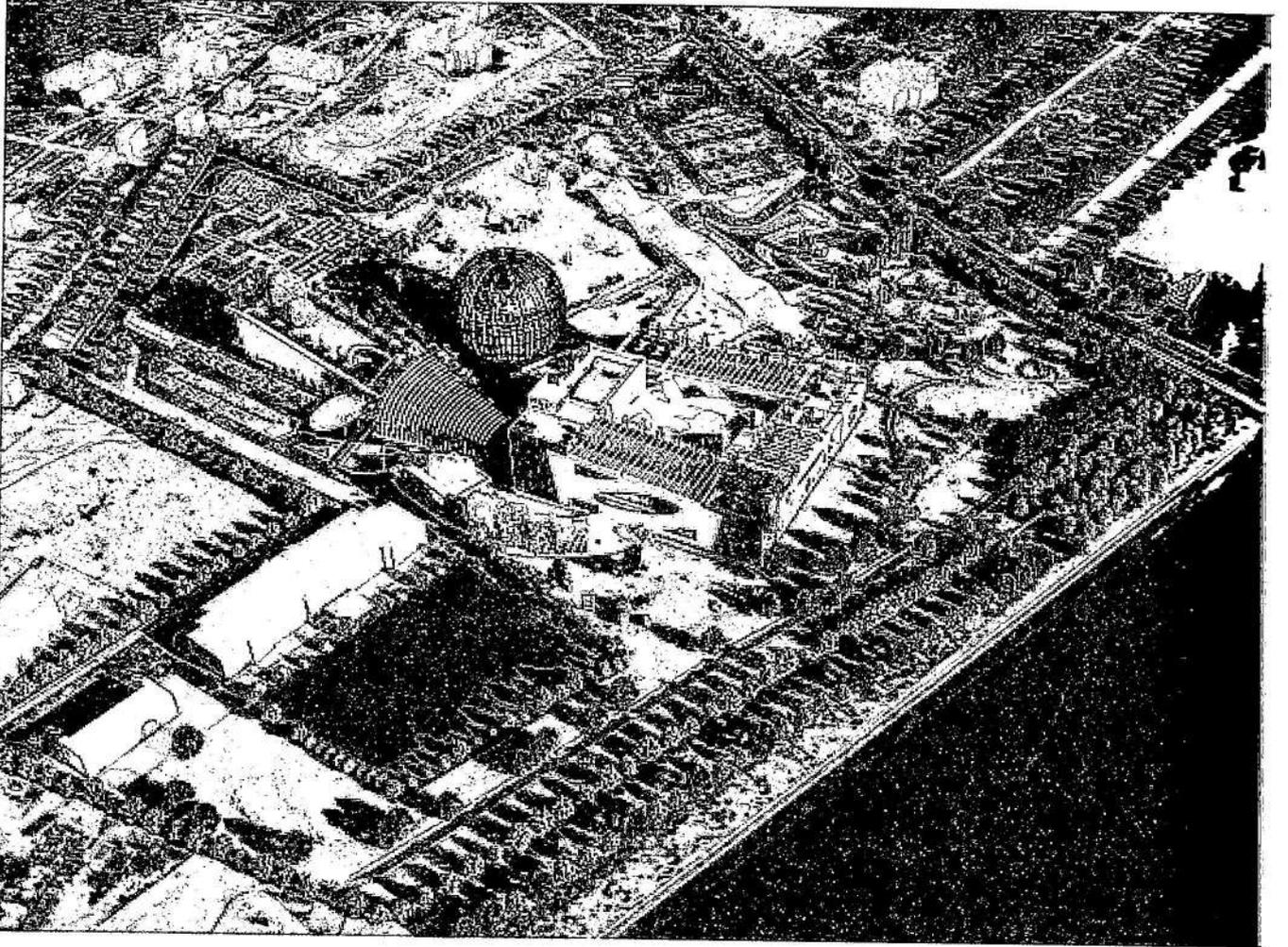
वित्तीय वर्ष 2021-22 हेतु विमुक्त धनराशि एवं दिनांक
31 दिसम्बर, 2021 तक का व्यय विवरण

आयोजनागत मद के अर्न्तगत इस वर्ष परिषद हेतु रूपये
7,01,00,000.00 (रूपये सात करोड़ एक लाख मात्र) की धनराशि
का प्रावधान किया गया एवं दिनांक 31 दिसम्बर, 2021 तक
परिषद को रूपये 7,01,00,000.00 (रूपये सात करोड़ एक लाख
मात्र) की धनराशि प्राप्त हुई है।

प्राप्तियां	₹
उत्तराखण्ड शासन द्वारा प्राप्त अनुदान	7,01,00,000.00
अन्य प्राप्तियां	00.00
योग (अ)	7,01,00,000.00
भुगतान	1,25,22,425.00
प्रशासन/निदेशन	
अनुसंधान एवं विकास कार्य	21,90,340.00
विज्ञान लोकव्यापीकरण कार्यक्रम	21,90,340.00
उद्यमिता विकास कार्यक्रम	39,44,441.00
उत्कृष्टता का केंद्र	8,50,984.00
विज्ञान धाम के व्यय	7,50,000.00
अन्तिम शेष 31.12.2021 को	68,34,042.00
पी.एल.ए. खाते में	4,30,07,768.00
योग (ब)	7,01,00,000.00



उपलब्धियाँ



साइंस सिटी

राज्य में विज्ञान लोकव्यापीकरण एवं वैज्ञानिक चेतना बढ़ाये जाने के उद्देश्य से राजधानी देहरादून अन्तर्गत विज्ञान धाम, झाजरा नं संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से साइंस सिटी स्वीकृत की गयी है। यह राज्य के लिये गौरव की बात है एवं शिक्षा जगत एवं वैज्ञानिक समुदाय के लिये प्रेरणा का स्रोत बनकर उभरेगा। उक्त परियोजना रू० 134 करोड़ में बनकर तैयार होगी।

राज्य स्तरीय विज्ञान कांग्रेस

उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट), देहरादून द्वारा प्रतिवर्ष राज्य स्तरीय उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कांग्रेस का आयोजन किया जाता है जिसमें राज्य भर से लगभग 500 शोधार्थी अपने सारांश को देश के विभिन्न संस्थानों से आये विषय विशेषज्ञों के समक्ष प्रस्तुतिकरण करते हैं। विज्ञान कांग्रेस के रूप में शोधार्थियों को एक ऐसा मंच उपलब्ध होता है जहां उनके शोध को पहचान मिलती है।

विश्व में व्याप्त कोविड-19 महामारी के फलस्वरूप वर्ष 2021 में विज्ञान कांग्रेस का आयोजन नहीं हो पाया है।

प्रमुख शोध परियोजनाएँ

परिषद राज्य में शोध एवं विकास को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न वैज्ञानिक संस्थानों, विश्वविद्यालयों, कॉलेजों आदि को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न विषयों पर शोध करने हेतु वित्तीय सहयोग प्रदान करती है। मुख्यतः यह परियोजनाएँ राज्य के हित में की जाती हैं। सामान्यतः परियोजना दो या तीन वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृत की जाती है। मुख्य शोध परियोजनाओं का सारांश निम्नवत् प्रस्तुत है:-

A study to evaluate the potential of clinical utilization of the novel Thermal Imaging and Thermal/Radioisotope Dual Imaging in various clinical Conditions: Setting up of Thermal-Radioisotope Imaging Nodal Center (TRINC)

Dr Vandana Kumar Dhingra

Associate Professor

Department of Nuclear Medicine

All India Institute of Medical Sciences (AIIMS)

Rishikesh, Dehradun

थर्मल इमेजिंग एक ऐसी तकनीक है जिसके द्वारा किसी भी वस्तु या जीव का टेम्परेचर या थर्मल मैप द्वारा इमेज बन जाता है। इसे थर्मल इमेज कहते हैं। आजकल एडवांस्ड थर्मल कैमरा द्वारा 50 mk तक के अंतर की इमेज ली जा सकती है जो मेडिकल थर्मल इमेजिंग में बहुत आसानी से इस्तेमाल की जा सकती है। कोरोना वायरस महामारी में थर्मल स्कैनिंग का उपयोग हम सबने देखा है। किसी भी दुकान कार्यालय या मॉल में प्रवेश करते समय हम सबने हाथ आगे करके थर्मल मोनेटरिंग करवायी है। इस तकनीक की एक सब बड़ा फायदा है कि यह नॉन कांटेक्ट इमेजिंग है। मतलब की बिना संपर्क के या बिना छुए मरीज़ की इमेज ली जा सकती है जो की कोविड की बीमारी में मरीज़ों की नॉन कांटेक्ट मॉनिटरिंग में इस्तेमाल की जा रही है।

हमने इस प्रोजेक्ट में इस तकनीक का इस्तेमाल मरीज़ों की थाइराइड की जांच करने के लिए किया है। इन थर्मल इमेजेज को प्रोसेस करके हमने ये जांच की है कि 1) नार्मल व एबनार्मल थाइराइड की थर्मल इमेजेज में कुछ अंतर है या नहीं 2) हमने थर्मल इमेजेज को आइसोटोप स्कैन से मिलाने का प्रयास किया है। हमारी जानकारी में यह कभी नहीं किया गया है। इससे हम इन दोनों तकनीकों के द्वारा मरीज़ों की थाइराइड की जांच कर सकते हैं। इसका विशेष फायदा दूर के इलाको में जहन पर आधुनिक तकनीक नहीं पहुँच सकती, वहां पर जांच इस तकनीक किया जा सकता है। 2021-2022 में हमने अभी तक करीब सौ इमेजेज को लिया तथा प्रोसेस करा है और हमें अब तक थर्मल इमेजेज और मरीज की हाइपरथीराइड की बीमारी और नार्मल थाइराइड वाले मरीज़ों की इमेजेज में काफी अंतर मिला है जो की काफी उत्साहजनक है। अगले चरण में हम इस तकनीक के द्वारा जोड़ों की बीमारियों को जांचने में भी स्टडी करेंगे। इस परियोजना से उत्तराखंड की महिलायें जो हिमालयन बेल्ट में होने के कारण थाइराइड की बीमारी से ग्रस्त हैं, उनकी सहायता करने का प्रयास कर रहे हैं। इस परियोजना में हमने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की के तकनीकी सहयोग के साथ किया है ताकि हमें मेडिकल व तकनीकी दोनों क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता परिणाम मिलें।

A comprehensive approach to substance abuse amongst adolescents and youth in rural Dehradun - Ek Koshish

Dr Jayanti Sengupta
Professor and Head
Department of Community Medicine
Himalayan Institute of Medical Sciences
SRH University, Jollygrant, Dehradun

डोईवाला स्थित स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय के सामुदायिक चिकित्सा विभाग में उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद सहयोग से नशा मुक्ति कार्यक्रम की शुरुआत की है। परियोजना के माध्यम से सामुदायिक चिकित्सा विभाग स्वामी राम हिमालयन यूनिवर्सिटी डोईवाला के गांव में घर-घर जाकर नशा छोड़ने की अलख जगाई है।

इस परियोजना का उद्देश्य किशोरों तथा युवाओं में नशे के उपयोग के बारे में जानना, मादक द्रव्यों के सेवन की रोकथाम और नियंत्रण के परिणामों तथा हित धारकों के लिए एक समर्थन प्रणाली को तैयार करना, नशे के खतरे में आए किशोरों और युवाओं के लिए परामर्श तैयार करना और नशे से जुड़ा रहे किशोरों और युवाओं की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करना है।

परियोजना के प्रथम चरण में विभाग के संकाय तथा कर्मचारियों ने एक स्वास्थ्य उप केंद्र, दो माध्यमिक विद्यालयों तथा एक महाविद्यालय चुना गया। विद्यालयों, महाविद्यालय और गांव में जाकर लिखित सहमति लेने के बाद छात्रों (6-12 कक्षा), किशोरों और युवाओं (10 से 24) का साक्षात्कार लिया गया और नशे के खतरे के पैमाने पर छात्रों और युवाओं की स्क्रीनिंग और स्कोरिंग (Screening and scoring) की गई। साक्षात्कार उनसे मिलने वाले इन आंकड़ों का इस्तेमाल डोईवाला क्षेत्र में मादक पदार्थों के उपयोग तथा उनसे संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में जानने के लिए किया गया।

इस स्क्रीनिंग टेस्ट के द्वारा सभी युवाओं और किशोरों को लो, मॉडरेट तथा हाई रिस्क कैटेगरी में बांटा गया। इन सभी को कैटेगरी के हिसाब से उपचार तथा परामर्श प्रदान किया गया। इसके साथ ही सभी स्थानीय विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा समुदाय में जागरूकता सत्रों (IEC) आयोजन किया गया। इन जागरूकता सत्रों में नशा मुक्ति पैम्पलेट तथा फ्लायर्स का भी वितरण किया गया।

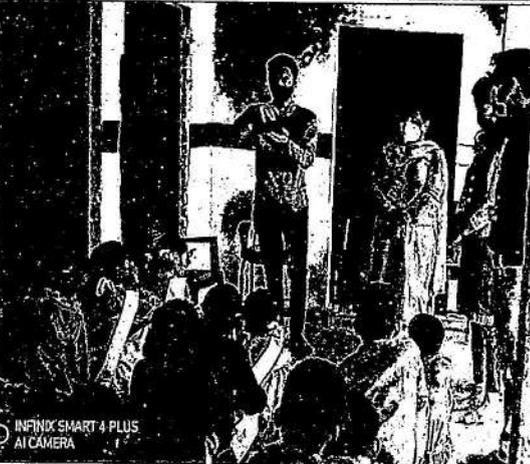
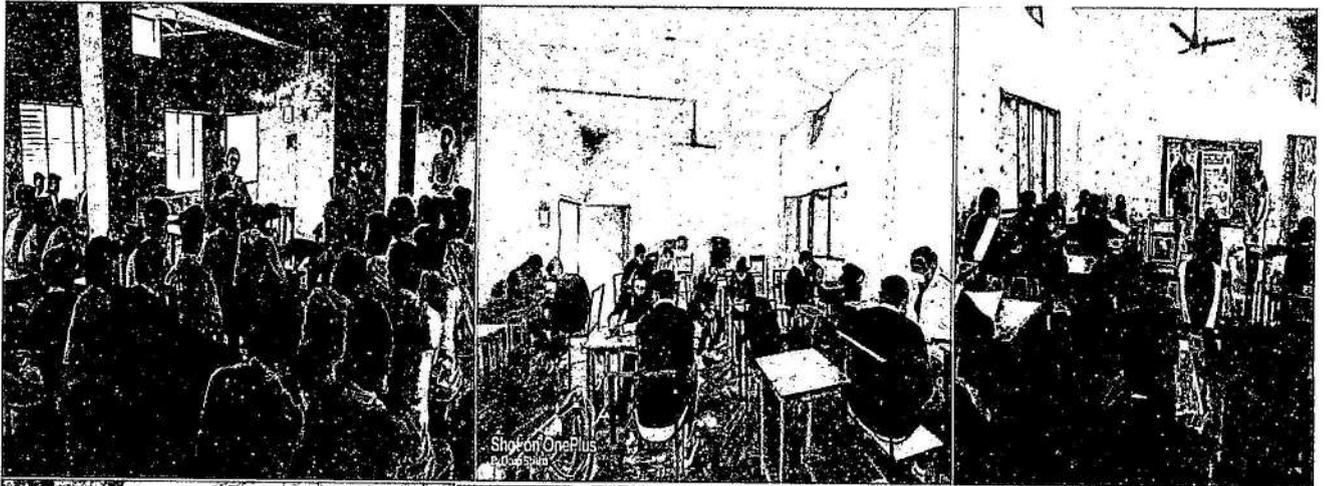
इसके अगले चरण में प्राथमिक स्वास्थ्य प्रदाताओं जैसे आशा तथा ए.एन.एम. और हित धारकों का नशा मुक्ति में प्रशिक्षण किया गया। प्रशिक्षण परियोजना टीम द्वारा निर्मित प्रशिक्षण मापांक (Training module) की सहायता से किया गया। ये प्रशिक्षित कर्मी परामर्श तथा रेफर के लिए अब स्थानीय नेटवर्क के रूप में कार्यरत हैं।

परियोजना के तहत डोईवाला के कुड़कावाला क्षेत्र में समग्र स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना भी की गई है। इस केंद्र में मनोचिकित्सक तथा काउंसलर (परामर्शदाता) नशे से जुड़ा रहे समुदाय के लोगों का इलाज करते हैं तथा उन्हें परामर्श देते हैं। इस केंद्र में मरीजों को योगासन तथा व्यवसाय प्रशिक्षण की सुविधा भी प्रदान की गई है। इस परियोजना का विस्तार कर इसे सहसपुर क्षेत्र में भी पहुंचाया गया है।

हिमालयन अस्पताल, स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय इस परियोजना को निरंतर प्रोत्साहन तथा सहायता प्रदान कर रहा है तथा नशे में मरीजों को रेफर तथा इलाज के लिए हिमालयन अस्पताल में सेवाएं प्रदान की जा रही है।

समुदाय तथा युवाओं में नशा मुक्ति के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के लिए इस परियोजना ने अपनी वेबसाइट की स्थापना भी की है। इस वेबसाइट में नशा मुक्ति से संबंधित जानकारी तथा स्वास्थ्य सामग्री उपलब्ध है। वेबसाइट में परियोजना द्वारा करे गए कार्यक्रम की रिपोर्ट तथा युवाओं के लिए आयोजित की गई प्रतिस्पर्धायें भी अंकित है। इस वेबसाइट में नशा मुक्ति की प्रश्नोत्तरी भी उपलब्ध है जिसे भरकर युवा अपने रिस्क स्कोर देख सकते हैं तथा परामर्श के लिए परियोजना टीम को संपर्क कर सकते हैं। साथ ही परियोजना टीम सोशल मीडिया (फेसबुक तथा इंस्टाग्राम) पर भी उपलब्ध है।

इस परियोजना से उम्मीद है कि क्षेत्र के युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन के प्रति संवेदनशीलता बढ़ेगी, मादक पदार्थों के उपयोगकर्ताओं में कमी आएगी तथा किशोरों और युवाओं में जोखिम लेने वाला व्यवहार कम होगा। आने वाले समय में इस परियोजना से और भी लाभ मिलेंगे। नशे में मादक पदार्थों के सेवन से संबंधित बीमारियां कम होगी एवं हिंसा की रोकथाम होगी तथा मानसिक स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। इस उत्कृष्ट स्वास्थ्य के कारण समुदाय सुरक्षित तथा प्रगतिशील बनेगा।



दैनिक जागरण

उत्तराखण्ड में 31 प्रतिशत लोग करते हैं तंबाकू का सेवन

समाद चौर, खंडेशता : समीरम रिगलिनन विरम विद्यालय जे.ए.ए.ए. (एस.ए.ए.ए.ए.) के कम्प्यूटरी मैथिंस विभाग की ओर से विरम तंबाकू निषेध दिवस पर जगलकक कर्तव्य अयोजित किया गया। इस दौरान स्टेरिपेट में गेजुट ध्वजियां ध्वं तंबाकू के दुष्प्रभावों की जनफारी देने के साथ इसका दुरुप्रभाव न करने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में विभागकक डॉ. जवंती सेमवाल ने बताया कि ग्लोबल एक्ट टो बैन सर्व रेटडीयरी रिपोर्ट के मुताबिक उत्तराखण्ड में तंबाकू के सेवन का प्रचलन लगभग 31 प्रतिशत है। जो समीरम उत्तराखण्ड में सबसे अधिक है।

विभाग की डॉ. दीप शिखा ने बताया कि तंबाकू फुलेमस से कैंसर, फेफड़े की बीमारी, हृदय रोग और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। वह भारत में मृत्यु और बीमारी के प्रमुख कारणों में से एक है। हर साल लगभग 1.25 मिलियन मौतों का कारण बने हैं। इस मौके पर कम्प्यूटरी मैथिंस विभाग ने सभी मैथिंस प्रैक्टिस के छात्रों के लिए एक वीडियो प्रतियोगिता और एक रोल प्रतियोगिता भी आयोजित की, जिसमें छात्रों को रचनात्मक तरीके से दिन के विषय को विभिन्न रूपों के लिए प्रोत्साहित किया गया। जिसमें डॉ. दीप शिखा, डॉ. प्रज्ञा सिंह, डॉ. दिव्या शर्मा आदि ने सहभाग किया।



Hamari Koshish Community Medicine, Himalayan Institute of

Hamari Koshish Institute

HOME VISITS PLAINISTS CHAMBERS ABOUT

Starts

Aditya

1:04

https://hamarikoshish.com hamarikoshish.com

f v in g

Implications of 3D printed bio-ceramic based scaffold logistics in Uttarakhand

Dr Varun Sharma

Assistant Professor

Department of Mechanical and Industrial Engineering

Indian Institute of Technology Roorkee

Roorkee, Haridwar

मेडिकल प्रयोग के लिये थर्मोप्लास्टिक पॉलीमर पीएलए की यांत्रिक गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए बायोसिरेमिक का उपयोग किया गया। पॉलीमर पीएलए में बायोसिरेमिक (एल्यूमिना तथा YSZ) को अलग-अलग वजन अनुपात में मिला कर सिंगल स्क्री एक्सट्रूडर द्वारा 1.75-2.25 मिलीमीटर व्यास के बायोकम्पोजिट फिलामेंट निर्मित किये गये। फिलामेंट के निर्माण के बाद उनका थर्मल विश्लेषण तथा एफटीआईआर किया गया और इसके साथ में बायोसिरेमिक का एसईएम विश्लेषण किया गया। एफडीएम प्रिंटर द्वारा एएसटीएम मानक के अनुसार तन्यता (ASTM D638), फ्लेक्सुरल (ASTM D790) और संपीडन (ASTM D695) नमूनों का निर्माण किया गया तथा उनका यांत्रिक परीक्षण तथा नमूनों का फेक्टोग्राफी परीक्षण भी किया गया। इसके साथ ही ट्राइबोलॉजी तथा जैविक परीक्षण किया गया।

थर्मल विश्लेषण से पता चला कि बायो-सेरामिक्स और पॉलिमर की अलग-अलग संरचना से ग्लास संक्रमण तापमान और पॉलिमर के विघटन के तापमान में ज्यादा कोई अंतर नहीं है। एफटीआईआर से विकसित बायोकम्पोजिट के कार्यात्मक समूह की जांच हुई। एसईएम विश्लेषण से पता चला कि इस्तेमाल किए जाने वाले बायो-सिरेमिक, एल्यूमिना और YSZ लगभग गोलाकार आकार के हैं तथा उनका आकार क्रमशः 1-2 एनएम और ~50 एनएम हैं।

यांत्रिक परीक्षण से सूचित होता है कि पीएलए/एल्यूमिना का पीएलए के साथ तुलनीय तन्य और फ्लेक्सुरल ताकत और उच्चतम शक्ति है। पीएलए/एल्यूमिना के लिए तन्य, संपीडित और फ्लेक्सुरल ताकत क्रमशः 30-44 MPa, 55-2 MPa और 83-73 MPa हैं। पीएलए/एल्यूमिना में उच्चतम तन्यता मापांक (1141.4 MPa) और फ्लेक्सुरल मापांक (4100.58 MPa) और उच्चतम तन्य कठोरता 1.75-2.25 परिणाम से पता चलता है कि विकसित बायोकम्पोजिट्स में ट्रिब्युलर हड्डी की तुलना में उच्च शक्ति और मापांक है जिसे उपयुक्त रूप से और सुदृढीकरण को नियंत्रित करके, विकसित सामग्रियों में, हड्डी ऊतक इंजीनियरिंग के साथ-साथ आर्थोपेडिक प्रत्यारोपण के रकैफोल्डस के विनिर्माण में ट्रिब्युलर हड्डी के विकल्प के रूप में उपयोग करने की क्षमता रखेगा। फेक्टोग्राफी से पता चलता है कि नमूनों के निर्माण के समय विकसित पोरसिटी के कारण बायोकम्पोजिट्स की यांत्रिक गुणवत्ता में भिन्नता विकसित होती है। फ्रैक्चर विश्लेषण से पता चला कि नमूनों के फ्रैक्चर का तरीका भंगुर है।

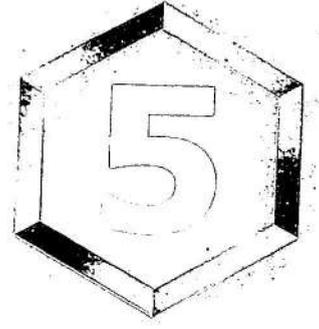
ट्राइबोलॉजी परीक्षण दर्शाता है कि पीएलए/एल्यूमिना का बाकी सभी बायोकम्पोजिट्स में सबसे कम घर्षण का गुणन है। इसके अलावा एल्यूमिना की तुलना में YSZ की कम तापीय चालकता और कठोरता के कारण इसका घर्षण का गुणन उच्चतम पाया गया है। जैविक परीक्षण आसुत जल के साथ प्राप्त संपर्क कोण का मान $<90^\circ$, बायोकम्पोजिट्स की हाइड्रोफिलिक प्रकृति को दर्शाता है जो की बायोमेडिकल अनुप्रयोगों में कोशिका आसंजन के लिए उपयुक्त है। पॉलिमरिक बायोकम्पोजिट्स का क्षरण परीक्षण दर्शाता है कि पीएलए/एल्यूमिना/YSZ अपने अच्छे हाइड्रोफिलिक प्रकृति के कारण शुरू में सबसे अधिक वजन कम होता है। पीएलए/YSZ और पीएलए/एल्यूमिना में लगभग 10% गिरावट की दर पाई गई है।

एडिटिव मैनुफैक्चरिंग के लाभों और दावों के बावजूद चिकित्सा सप्लाय चैन में अभी भी इसका सीमित उपयोग है इसीलिए चिकित्सा सप्लाय चैन में एडिटिव मैनुफैक्चरिंग को अपनाने के लिए आने वाली बाधाओं की पहचान और जांच की गयी। व्यापक साहित्य समीक्षा और विश्लेषण चर्चा के आधार पर, बारह महत्वपूर्ण बाधाओं की पहचान की गई और विश्लेषण करने के लिए एक एकीकृत व्याख्यात्मक संरचनात्मक मॉडल - विश्लेषणात्मक नेटवर्क प्रक्रिया (ISM&ANP) एकीकृत दृष्टिकोण को अपनाया गया। पहचान की गई बाधाओं के बीच अंतर्संबन्ध निर्धारित करने के लिए आईएसएम पद्धति का उपयोग किया गया है। आईएसएम के परिणाम को एनपी पद्धति में इनपुट की तरह किया गया है, जो बाधाओं को रैंक प्राप्त करता है। परिणाम बताते हैं कि विभिन्न प्रकार की सामग्रियों की अनुपलब्धता, मशीन और सामग्री की उच्च लागत, और डिजाइनरों और श्रमिकों को शिक्षा और प्रशिक्षण की कमी सबसे महत्वपूर्ण बाधाएं हैं। तकनीकी और संगठनात्मक बाधाओं में अधिक महत्वपूर्ण महत्व है। इस प्रकार, फर्मों को अधिक सफलता के लिए इन बाधाओं को कम करने पर ध्यान देना चाहिए। परिणाम एडिटिव मैनुफैक्चरिंग में प्रबंधकों और योजनाकारों के लिए बाधाओं को कम करने और निकट भविष्य में उनके सप्लाय चैन में सुधार करके एडिटिव मैनुफैक्चरिंग को अधिक से अधिक अपनाने के लिए नीति तैयार करने का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

वर्ष 2021 में स्वीकृत शोध एवं विकास परियोजना का विवरण –

क्र०सं०	अन्वेषक का नाम एवं विभाग	परियोजना का शीर्षक
1	Dr Nirmala Koranga Associate Professor Department of Botany D.B.S. (PG) College, Dehradun (UK)	Assessment of synergistic potential of secondary metabolites of invasive plant species of Eastern Himalaya against pathogenic microbes of agricultural crops
2	Dr Yogendr Bahuguna Associate Professor & HOD Department of Pharmacognosy SGRR University Patel Nagar, Dehradun (UK)	Phytopharmaceuticals analysis based identification and comparison of tissue-cultured <i>Zanthoxylum armatum</i> DC (Timur) species with their correspondences and development of a recommender system for cultivation in Uttarakhand Himalayan region
3	Dr Manisha Naithani Additional Professor Department of Biochemistry All India Institute of Medical Sciences (AIIMS) Rishikesh, Dehradun (UK)	Study to explore Aldehyde Dehydrogenase activity and its comparison with variable region of immunoglobulin heavy chain (IGHV) gene mutation in Chronic Lymphocytic Leukemia: An observational hospital-based study at a tertiary healthcare center in Uttarakhand
4	Dr Alaknanda Ashok Professor & Dean College of Technology Department of Electrical Engineering G.B. Pant University of Agriculture and Technology Pantnagar, US Nagar (UK)	Meta-analysis of explicit evaluation of correlation between Yoga and Stress Management parameters
5	Dr Ravi Kant Additional Professor and Head Department of Medicine All India Institute of Medical Sciences (AIIMS) Rishikesh Dehradun (UK)	Innovative technique to cure diabetes: Encapsulated human islet cells implantation
6	Dr Kuldeep Chandra Verma Assistant Professor Department of Biochemistry G.B. Pant University of Agriculture & Technology Pantnagar, US Nagar (UK)	Biochemical screening of buckwheat (<i>Fagopyrum esculentum</i>) genotypes of Uttarakhand for elite selection
7	Dr Ajay Kumar Assistant Professor Department of Applied Science Faculty of Engineering and Technology Gurukula Kangri (deemed to be University) Haridwar (UK)	A study of phytochemical profiles in the essential oils of <i>Ginger (Zingiber officinale Rosc.)</i> of various altitudes of Uttarakhand
8	Dr Kiran Meena Assistant Professor Department of Biochemistry All India Institute of Medical Sciences (AIIMS) Rishikesh, Dehradun (UK)	Prevalence of small intestine bacterial overgrowth (SIBO) and its risk factors in chronic pancreatic patients: An analytical cross-sectional study

9	Prof L.P. Purohit Head Department of Physics Gurukula Kangri Vishwavidyalaya Haridwar (UK)	Synthesis and characterization of perovskite materials for high performance solar cells
10	Dr Rajan Arora Associate Professor Department of Applied Science & Engineering IIT Roorkee, Roorkee (UP)	Solution of some non-linear evolution equations using homotopy analysis method
11	Dr Harshit Pant Jugran Scientist 'C' Centre for Socio-economic Development (CSED) G.B. Pant National Institute of Himalayan Environment (GBPNIHE), Kosi-Katarmal, Almora (UK)	Demonstration and scaling up of Chir Pine leaves based bio-briquettes technology to promote environment-friendly energy for employment and income generation among rural people in Uttarakhand
12	Dr Ankur Dumka Associate Professor, Computer Science and Engineering, Women Institute of Technology, Dehradun	Design and development of an IOT enabled device for monitoring, mosquito prone areas in Uttarakhand based on meteorological factors to control diseases transmitted by mosquitoes
13	Dr Vandana K Dhingra Associate Professor All India Institute of Medical Science (AIIMS), Rishikesh (UK) Dr Prabhat K Mandal Associate Professor, Department of Biosciences and Bioengineering, Indian Institute of Technology(IIT) Roorkee	Development of a membrane-based kit to find out L1 retrotransposon activity in Oral Squamous Cell Carcinoma (OSCC)
14	Prof Naveen Kumar Navani Department of Biotechnology, IIT, Roorkee, Roorkee (UK)	In vitro screening and efficacy of plant growth promoting Rhizobacteria and biocontrol agents in selected vegetable crops to support farmers Uttarakhand state
15	Dr Madhur Uniyal Assistant Professor, Department of Trauma Surgery and Critical Care, All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), Rishikesh, Dehradun	Isolation, Identification and therapeutic approach of River Ganga phage for difficult to treat trauma infected patients



मुख्य कार्यक्रम

विज्ञान लोकव्यापीकरण परिषद का एक अतिमहत्वपूर्ण अधिधेय है, इसके अन्तर्गत वर्ष भर कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इनमें से प्रमुख कार्यक्रम निम्नलिखित हैं:-

मध्य प्रदेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल के ऑनलाइन विज्ञान मंथन यात्रा कार्यक्रम -

अपने मिशन उत्कृष्टता कार्यक्रम के तहत मध्य प्रदेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल में विभिन्न विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थानों में चल रहे अनुसंधान और विकास गतिविधियों के लिए मेधावी स्कूली छात्रों को उजागर करने के लिए विज्ञान मंथन यात्रा का आयोजन करता है। इस विज्ञान मंथन यात्रा का उद्देश्य उत्कृष्टता, नवाचार, विज्ञान के बारे में जागरूकता, उद्यमिता और कौशल विकास को बढ़ावा देना है। हर साल मध्य प्रदेश के मेधावी छात्रों का समूह विज्ञान मंथन यात्रा के तहत उत्तराखंड आता है और अनुसंधान एवं विकास संस्थानों का दौरा करता है और वहां के वैज्ञानिकों से बातचीत करता है। कोविड -19 महामारी के कारण, समूह उत्तराखंड का दौरा नहीं कर सका। इसलिए उनके लिए आरएससी देहरादून और यूकॉस्ट द्वारा वेब के माध्यम से एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस वर्चुअल टूर में कुल 500 छात्र शामिल हुए। डॉ० विवेक कटारे, प्रमुख, मिशन उत्कृष्टता, भोपाल ने भी छात्रों को संबोधित किया। बाद में, श्री जी.एस. रौतेला, पूर्व डीजी एन.सी.एस.एम. और वर्तमान में सलाहकार साइंस सिटी देहरादून द्वारा "कम तापमान पर पदार्थ" पर प्रयोगों का लाइव प्रदर्शन, डॉ० पूनम गुसाई, सोनिया और पंकज रावत द्वारा इनोवेशन हब का ई-विजिट और प्रदर्शन, कक्षा 8-10वीं के छात्रों के लिए सुबह के सत्र में श्री अंकित कंडियाल और श्री ओम प्रकाश रावत द्वारा व्यावहारिक विज्ञान गतिविधियों का आयोजन किया गया। कक्षा 11 और 12 वीं के छात्रों के लिए दोपहर के सत्र में, डॉ० राजेंद्र डोभाल, महानिदेशक, यूकॉस्ट, देहरादून ने सत्र को संबोधित किया और उसके बाद डॉ० अपर्णा शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, यूकॉस्ट द्वारा "डीएनए: ए टूल फॉर इन्वेस्टिगेशन" पर लोकप्रिय विज्ञान व्याख्यान दिया। डॉ० प्रशांत सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, डीएवी पीजी कॉलेज द्वारा जल गुणवत्ता विश्लेषण प्रयोगशाला, जल संस्थान देहरादून का ई-विजिट और ई-सत्र "वैज्ञानिकों से मिलो" का आयोजन किया गया। डॉ० राजेंद्र डोभाल, श्री जी.एस. रौतेला, डॉ० डी.पी. उनियाल, डॉ० कैलाश एन. भारद्वाज और और डॉ० प्रशांत सिंह ने 'मीट द साइंटिस्ट' सत्र में छात्रों के साथ बातचीत की। प्रत्येक सत्र में विशेषज्ञों और प्रदर्शनकारियों ने छात्रों के सवालों के जवाब भी दिए। डॉ० पीयूष जोशी, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, यूकॉस्ट ने कार्यक्रम का समन्वयन किया।



राष्ट्रीय बालिका दिवस 2021 का उत्सव -

भारत हर साल 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाता है। यह दिन महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार की इस कड़ी में परिषद द्वारा दिनांक 24 जनवरी को छुट्टी के कारण, दिनांक 25 जनवरी, 2021 को वेबिनार के माध्यम से राष्ट्रीय बालिका दिवस 2021 मनाया। वेबिनार के मुख्य अतिथि प्रख्यात वैज्ञानिक और पूर्व सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार, पद्म भूषण, डॉ. उदघाटन भाषण में, डॉ० अपर्णा शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, यूकोस्ट, देहरादून और कार्यक्रम के समन्वयक ने गणमान्य व्यक्तियों प्रतिभागियों का स्वागत किया। कार्यक्रम की थीम को कोलंबिया में अंतरिक्ष में भारत के तत्कालीन प्रधान मंत्री और अंतरिक्ष यात्री के बीच बातचीत के एक छोटे से वीडियो क्लिप के माध्यम से उजागर किया गया था। कोवैक्सिन और कोविशील्ड टीकों के विकास बोलते हुए, वर्तमान COVID-19 परिदृश्य में, डॉ० डोभाल ने जोर देकर कहा कि इन उपलब्धियों को राष्ट्रीय इन्फ्यूनोलॉजी संस्थान, दिल्ली सहित 9 प्रमुख अनुसंधान संस्थानों की स्थापना के द्वारा संभव बनाया गया है। डॉ० मंजू शर्मा ने प्रो० एम.जी.के. मेनन, डॉ० एम.एस. स्वामीनाथन, डॉ० प्रिया अब्राहम (निदेशक, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी) और डॉ० किरण मजूमदार शॉ के बारे में विस्तृत रूप से बताया एवं उनके द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, उत्तराखण्ड अध्याय की गतिविधियों के तहत स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से 500 से अधिक महिला प्रतिभागियों को शामिल करने के प्रयासों के लिए यूकोस्ट की बहुत सराहना की और बधाई दी। डॉ० डी.पी. उनियाल, संयुक्त निदेशक, यूकोस्ट ने डॉ. मंजू शर्मा को अपने विशाल अनुभव को साझा करने, बहुमूल्य सलाह लड़कियों को विज्ञान विषयों को करियर के रूप में लेने के लिए प्रेरित करने के लिए धन्यवाद दिया।



विश्व वन्यजीव दिवस-2021 का आयोजन -

विज्ञान धाम में विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद और राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, उत्तराखण्ड अध्याय द्वारा संयुक्त रूप से दिनांक 3 मार्च 2021 को विश्व वन्यजीव दिवस-2021 का आयोजन किया गया। इस वर्ष का विषय "वन और आजीविका: लोगों और ग्रह को बनाए रखना" है। इस वर्ष का मुख्य अतिथि श्री कुणाल सत्यार्थी, आईएफएस, प्राचार्य, केंद्रीय राज्य वन सेवा अकादमी, देहरादून ने कहा कि इस वर्ष की थीम "वन और आजीविका: लोगों और ग्रह को बनाए रखना" उत्तराखण्ड राज्य के संदर्भ में पूरी तरह से मेल खाती है। उन्होंने दुनिया भर में मानव वन संघर्ष पर भी ध्यान केंद्रित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, श्री कुणाल सत्यार्थी ने "वन (डब्ल्यूएल) और आजीविका: सतत लोग और एक मुख्य व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि वन बैंक दुनिया का एकमात्र बैंक है जो हमेशा देता है, लेकिन कुछ भी वापस नहीं लेता है। आइंस्टीन द्वारा कही गई सुंदर पंक्तियों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, "यदि मधुमक्खियां पृथ्वी की सतह से विलुप्त हो जाती हैं, तो पास जीने के लिए तीन साल से अधिक नहीं बचेगा"।

पृथ्वी दिवस का आयोजन -

परिषद में दिनांक 22 अप्रैल, 2021 को पृथ्वी दिवस को मनाया गया जिसका थीम "Restore our Earth" रखा गया। इस अवसर पर डॉ. डोभाल, महानिदेशक, यूकोस्ट द्वारा कहा गया कि इस वर्ष पृथ्वी दिवस की थीम कोविड-19 में सबसे अधिक प्रासंगिक है। पृथ्वी दिवस में डॉ० बी०आर० अरोड़ा, भूतपूर्व निदेशक, वाडिया इन्स्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी, देहरादून द्वारा एक व्याख्यान "Dynamic Earth" नामक विषय पर दिया गया। इस व्याख्यान में उनके द्वारा हिमालयन जियोलॉजी के विभिन्न विषयों पर विस्तार से बताया गया। उन्होंने बताया कि हमारी धरती माँ हमारी सभी अजीविका का स्रोत है। इस कार्यक्रम का संचालन एवं कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ० डी०पी० उनियाल, संयुक्त निदेशक, यूकोस्ट द्वारा दिया गया।



वर्ष 2021 में प्रायोजित कार्यशालायें/सेमिनार/संगोष्ठि

Sl. No.	Name of Organizers	Title of Programme	Theme
1	Ms Seema Sharma Himalaya University Sparsh Himalaya Fatehpur Tanda Jeevanwal, Dehradun	Science in the Himalayas ^{2nd}	Himalayan Science
2	Mr Kunwar Bahadur Asthana Raj Residency, Rajaram Vihar Sahastraadhara Road, Dehradun	Dehradun International Science & Technology Festival-2021 (DISTF-2021)	Science Festival
3	Mr Amar Dev Dobhal Saraswati Jan Kalyan Evam Swarojgar Sansthan Dehradun	Training cum Workshop for Skill Development of Ringal (Hill Bamboo) for prisoners of Tehri District Jail using new tools and scientific technology	Skill Development
4	Dr Jyoti Upadhyay University of Petroleum and Energy Studies Dehradun	Strategies to protect patient from medication Error and ADR in the time of COVID-19	COVID-19
5	Prof R.C. Dubey Internal Quality Assurance Cell (IQAC) Gurukula Kangri (Deemed to be University) Haridwar	Covid-19: Pre and Post COVID impact on Physical and Mental Health	COVID-19
6	Ms Garima Punetha Organizing Secretary Govt PG College, Berinag, Pithoragarh	Workshop on Creativity, Innovation, Entrepreneurship and Intellectual Property Right Laws (IPR Laws)	Innovation,Entrepr eneurship
7	Mr Sanjeev Pant State Coordinator Gramin Evam Parvatiya Utthan Samiti Dehradun	Workshop on Water Conservation Awareness among Community	Water Conservation
8	Dr Nishu Kumar Department of Political Science, Chamanlal Mahavidlaya Landhaura, Haridwar	Increasing population in India problems and Challenges	Population Problems
9	Dr Hemant Panwar Department of Chemistry Harsh Vidhya Mandir PG college Raisi Haridwar	Advances in Chemical Sciences	Chemical Sciences
10	Dr Jyoti Joshi Head, Department of Geography SSJ University, Almora	Technological perspective Tourism in Uttarakhand	Tourism
11	Vikarm Singh Valley of Words Foundation Trust 43,Usha Colony, Sahastradhara Road Dehradun	International Literature and Art Festival	Literature and Art

Sl. No.	Name of Organizers	Title of Programme	
12	Dr N.S.K. Harsh Retired Scientist Forest Research Institute Dehradun	Publication of Book "Red List of Macro-fungi of India"	Publ...
13	Dr Brijmohan Sharma Society of Pollution & Environmental Conservation Scientists (SPECs), 115-Krishan Nagar, Dehradun	Brainstorming workshop on Traditional Knowledge System	Traditio... Knowledg...
14	Dr Mahendra Singh Kunwar Himalayan Action Research Centre (HARC) 744, Indra Nagar, Dehradun	Capacity Building cum Awareness Workshops on Forest Based Livelihoods Targeting Local Community	Forest Bas... Livelihoods
15	Dr Manju Rani Assistant Professor Department of Botany HVM (PG) College Raisi, Haridwar	Publication of Book Biodiversity: In the service of Mankind	Biodivers...
16	Dr Dheraj Gupta Associate Professor Department of Community Medicine Govt. Doon Medical College, Dehradun	Coping with emerging Infections: Health Sector Challenges in Pandemic Times	Health
17	Dr Prashant Singh Associate Professor Department of Chemistry DAV (PG), College Dehradun	Second State Level Webinar on Role of Leading Women Researcher in Development of Uttarakhand-2022	Women En...
18	Prof (Dr) Vinita Kalara Officer In Charge Research and Ph.D Cell Swami Rama Himalayan University Swami Ram Nagar, Jolly Grant, Dehradun	Management of Intellectual Property Rights for Academicians	IPR
19	Dr Vinay K Singh Department of Applied Mathematics Motherhood University Roorkee-Dehradun Road, Bhagwanpur	Modern Mathematical Methods and High Performance Computing in Science and Technology	Modern Mathem... Mathemati...
20	Dr Y. P. Singh Professor School of Agriculture Graphic Era Hill University, Dehradun	Magazine on Agriculture and Allied Domain in Uttarakhand	Publicatio...
21	Dr Brijendra Singh Yadav School of Business Quantum University, Roorkee	Change Management Practices and Business Strategies	Business Str...

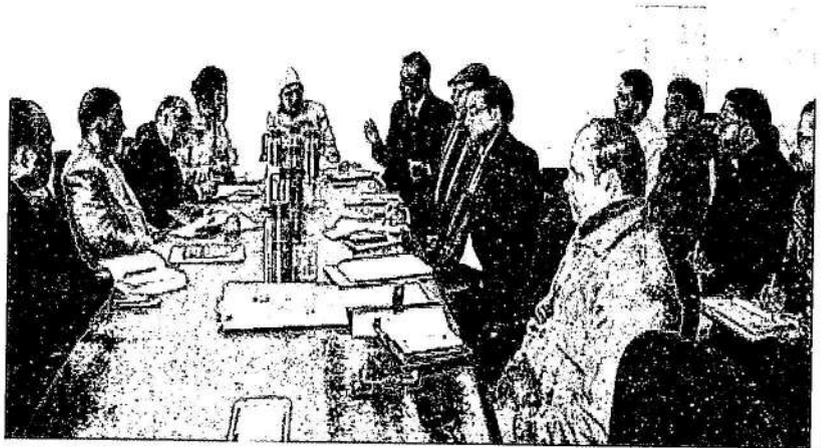
22	Dr Lalit M. Tiwari Sponsored Research & Industrial Consultancy Cell Kumaon University, Nainital	Conference on Modern Trends in Diversity of Medicinal Plants-2022	Medicinal Plants
23	Dr Neeraj Srivastva Himalayan Ayurvedic Medical College & Hospital Jeevanwal, Doiwala, Dehradun	Importance of Ayurvedic and Yoga in Management of Pandemic	Ayurveda and Yoga
24	Smt Meenakshi Aswal Secretary Lakshya Society Miyawala-Post-Harawala, Dehradun	Innovative Ideas & Design in Science & Technology for Sustainable future	Science Day

केन्द्र सरकार द्वारा स्वीकृत एवं पोषित परियोजनायें –

पंडित दीन दयाल उपाध्याय विज्ञान ग्राम संकुल परियोजना –
(उत्तराखण्ड के सतत विकास के लिए प्राकृतिक संसाधनों का वैज्ञानिक प्रबंधन)

परियोजना की अवधि: 15 सितम्बर 2017 से 31 मार्च 2021

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार से प्रायोजित परियोजना "पं. दीन दयाल उपाध्याय विज्ञान ग्राम संकुल परियोजना" उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) द्वारा संचालित की गयी। इस परियोजना का उद्देश्य उत्तराखण्ड में चयनित समूहों के लिए व्यापक विकास योजनाओं के साथ स्थानीय स्तर की विकास योजना तैयार करना था। इस पायलट परियोजना का शुभारंभ माननीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ० हर्षवर्धन भारत सरकार द्वारा 22 सितम्बर 2017 को पं. दीन दयाल उपाध्याय शताब्दी वर्ष उत्सव के दौरान किया। 23 दिसम्बर 2017 को माननीय कैबिनेट मंत्री डॉ० हर्षवर्धन द्वारा यूकॉस्ट में इस परियोजना का उद्घाटन किया गया।



उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) द्वारा इस परियोजना को उत्तराखण्ड राज्य के चयनित चार संकुलो हरिद्वार जनपद में गैंडीखाता, टिहरी गढ़वाल जनपद में भिगुन, रुद्रप्रयाग जनपद में बजीरा और बागेश्वर जनपद में कौसानी में क्रियान्वित किया गया। परियोजना के अर्न्तगत चारो संकुलो में आधुनिक नर्सरी इकाई, मशरूम उत्पादन इकाई, मधुमक्खी पालन एवं प्रसंस्करण इकाई, मसालो की खेती एवं प्रसंस्करण इकाई, फल उत्पादन इकाई एवं प्रसंस्करण इकाई और खाद्य प्रसंस्करण इकाई की स्थापना करके किसानो की आजीविका में सुधार कर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। परियोजना के क्रियान्वयन के लिए डॉ० महेश शर्मा, पूर्व अध्यक्ष, के० वी० आई० सी०, मुंबई की अध्यक्षता में स्टीयरिंग कमेटी और प्रोजेक्ट टास्क फोर्स का गठन

किया गया। टास्क फोर्स के सदस्यो द्वारा समय-समय पर संकुलो में भ्रमण कर किसानो का मार्गदर्शन किया गया। परियोजना के क्रियान्वयन के लिए ग्रामोदय सहकारी समितियो का गठन किया गया। समितियो द्वारा संकुलो में कुशल किसानो का चयन किया गया, जिन्हें प्रशिक्षित कर स्थापित इकाइयो में कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। वर्तमान में चारो संकुलो में विभिन्न उत्पादो जूस, मसाले, अचार इत्यादि को निर्मित किया जा रहा है, जिसके किसानो की आय में बढोत्तरी हो रही है।

क्रम संख्या	संकुल का नाम	लाभार्थियों की संख्या	संकुल कोष में अर्जित धन
1	ग्रामोदय सहकारी समिति कौसानी		
2	ग्रामोदय सहकारी समिति गैंडीखाता	93	3,95,500
3	ग्रामोदय सहकारी समिति बजीरा	45	2,53,000
4	ग्रामोदय सहकारी समिति भिगुन	126	2,24,700
		66	2,71,500

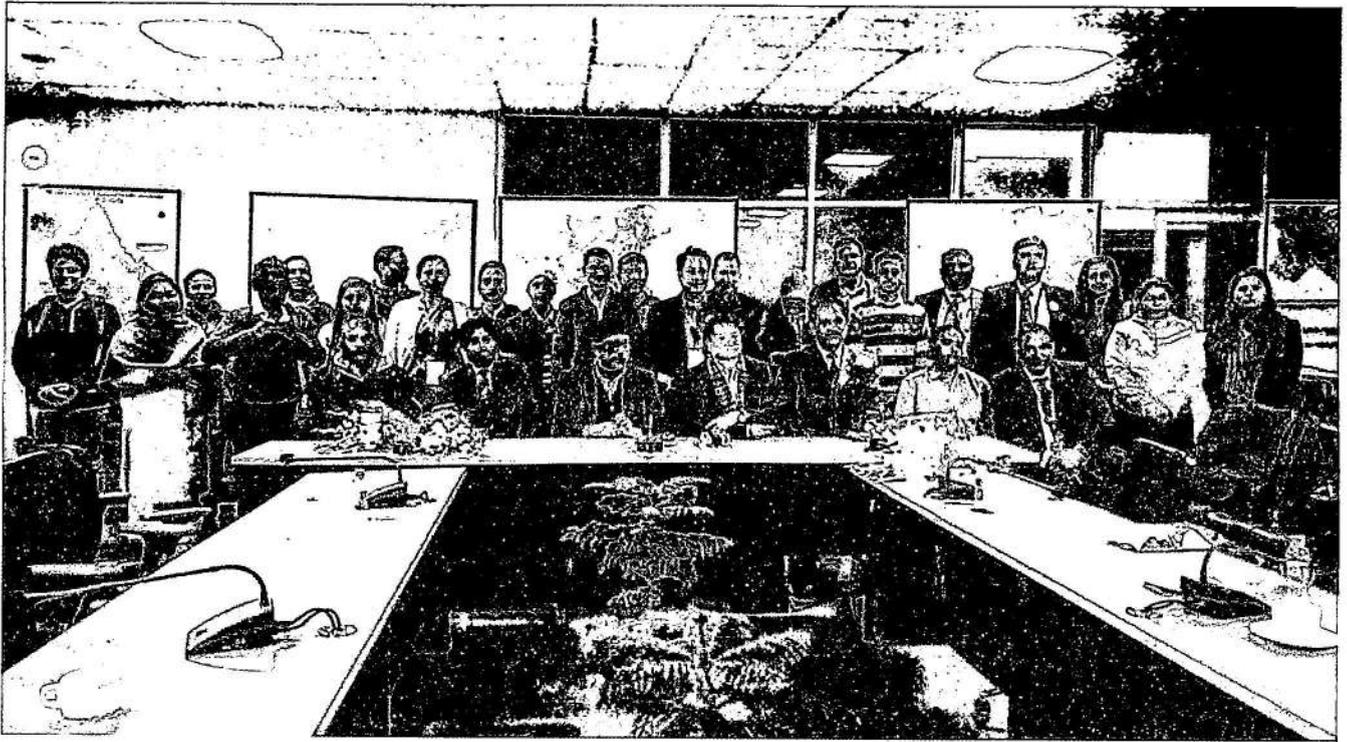
वन आधारित आजीविका पर उत्कृष्टता केन्द्र -

वन आधारित आजीविका पर उत्कृष्टता केन्द्र राष्ट्रीय कैम्पा सलाहकार, परिषद तथा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन सरकार द्वारा उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के साथ मिलकर परिषद कार्यालय में संचालित किया जा रहा है। अपनी तरह का पहला केन्द्र है जो वन आधारित उत्पादों और वन संसाधनों पर लोगों की निर्भरता से सम्बंधित विषयों पर विचार-विमर्श की जा रही है। इस अध्ययन से उत्पन्न जानकारी राज्य में गैर प्रकाष्ठ वन उपजों के सतत प्रबन्धन एवं आजीविका के विकास की तलाश में सहायक होगी। यह उत्कृष्टता केन्द्र वन आधारित आजीविका और आय सृजन के अवसरों पर आंकड़े सृजित करता है। परियोजना का समय 5 वर्ष है। उत्तराखण्ड में वन आजीविका के क्षेत्र में काम कर रहे विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों, निजी संस्थानों और विशेषज्ञों की जानकारी को संसाधन निर्देशिका के रूप में संकलित किया गया है। यह संसाधन निर्देशिका वेबपेज पर भी अपलोड की गई है। केन्द्र में एक गैर प्रकाष्ठ वन उपज गैलरी की स्थापना की गयी है।

इस परियोजना में ऊँचाई वाले क्षेत्रों में वन आधारित आजीविका से संबंधित विभिन्न विषयों को समझने हेतु जोशीमठ उपजिले के ऊँचाई पर स्थित लाता गांव में 16 जून 2018 को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें लाता, रैणी तथा तोलमा गांवों के लोगों ने प्रतिभाग किया। अन्य कार्यशाला 5 नवंबर, 2019 को मल्ला डूमर, मुनस्यारी (समुद्र तल से 1582 मीटर की ऊँचाई पर) जिला, उत्तराखण्ड में आयोजित की गई, जहां 60 से अधिक व्यक्तियों ने कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला में स्थानीय निवासियों से सम्बंधित मुद्दों, वनों से सम्बंधित नीतियों, भूदृश्य पर्यटन के अवसरों, क्षेत्र के पारम्परिक ज्ञान, उच्च हिमालय के रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य सम्बंधित विषयों पर तथा जी. आई. पंजीकरण समेत कई मुद्दों पर चर्चा की गई।

केन्द्र द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा और भविष्य के रोडमैप का मसौदा तैयार करने के लिए केन्द्र ने 10 सितंबर, 2021 को विचार-विमर्श आयोजित किया है, सत्र की अध्यक्षता ग्रामीण विकास और प्रवासन आयोग, उत्तराखण्ड सरकार, के उपाध्यक्ष डा0 एस.एस. नेगी द्वारा एक संसाधन निर्देशिका, 3 वार्षिक रिपोर्ट, 3 विवरणिका (हिन्दी एवं अंग्रेजी) एवं 6 अर्धवार्षिक समाचार पत्रिका प्रकाशित की गई है।





प्रिपेरेशन ऑफ रिसोर्स एटलस फॉर उत्तराखण्ड स्टेट –

यह परियोजना पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा नेशनल मिशन ऑन हिमालयन स्टडीज प्रोग्राम के अन्तर्गत वित्त पोषित है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य उत्तराखण्ड राज्य के बनने के उपरान्त यहाँ के संसाधनों के लिए एक एटलस विकसित करना है। इस परियोजना के अन्तर्गत राज्य में उपलब्ध विभिन्न संसाधनों के विकास और इनके सतत प्रयोग के लिए एक डेटाबेस तैयार किया जा रहा है जिसमें कुल 14 संसाधनों को चयनित किया गया है। इन संसाधनों में मुख्यतः शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, वन, ऊर्जा, जल, उद्यम, पर्यटन, परिवहन, और खनिज आदि संसाधन सम्मिलित हैं। परियोजना में कार्यरत टीम द्वारा उत्तराखण्ड राज्य के 13 जिलों में उपस्थित विभिन्न संसाधनों का डाटा जनगणना विभाग, वन्य सर्वेक्षण विभाग, अर्थ तथा सांख्यिकी विभाग तथा अन्य राज्य स्तरीय विभागों द्वारा एकत्रित किया जा चुका है और इसे संकलित किया जा रहा है। इसी परिपेक्ष्य में रिसोर्स एटलस टीम द्वारा अभी तक 13 जिलों के रिसोर्स एटलस तैयार कर लिए गये हैं।

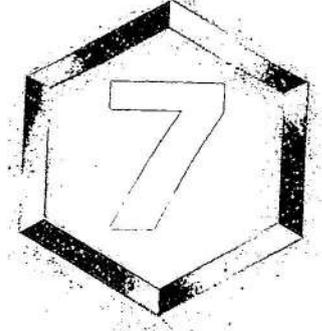
परियोजना के मुख्य उद्देश्य :

- उत्तराखण्ड राज्य की पहाड़ी और पर्यावरण विशिष्टताओं को एकत्रित किया जाएगा, इस क्षेत्र की पारिस्थितिक और आर्थिक चिंताओं के बीच एक संबंध स्थापित करने के लिए संकलित किया जाएगा और एक वैज्ञानिक निष्कर्ष तैयार किया जाएगा।
- पर्यावरण संसाधनों के साथ-साथ अन्य मापदंडों के विभिन्न पहलुओं का सामान्य डाटा एकत्र और संकलित किया जाएगा।
- उत्तराखण्ड के प्रत्येक जिले के विस्तृत विवरण के साथ संसाधन एटलस का प्रकाशन और डिजिटलीकरण, वैज्ञानिक, शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं और सामान्य जनता के लिए सुलभ कराना।

समयावधि : 2016-2020

वित्त पोषित : पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार और गोविन्द बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान, कोसी-कटारमल, अल्मोड़ा, उत्तराखण्ड।

बजट : ₹0 91,78,000



सारांश

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन
परिषद द्वारा दिनांक 15 जनवरी, 2021 को आंचलिक विज्ञान केन्द्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (Artificial Intelligence), रोबोटिक्स एवं अन्य उपकरणों पर डेमो प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कर्नल डिमरी, कर्नल गुप्ता एवं उनकी टीम द्वारा प्रस्तुतिकरण दिया गया।
- विज्ञान मंथन यात्रा, 2021 का वर्चुअल रूप से आयोजन
परिषद द्वारा मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के मिशन एक्सीलेंस "विज्ञान मंथन यात्रा" के तहत मध्यप्रदेश राज्य के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं हेतु दिनांक 21 जनवरी, 2021 को वर्चुअल प्रणाली से लोकप्रिय व्याख्यान, वैज्ञानिक गतिविधियों पर प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण सत्र, आंचलिक विज्ञान केन्द्र भ्रमण आदि की व्यवस्था की गयी।
- मशरूम उत्पादन हेतु पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन
परिषद एवं सीड डिविजन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के संयुक्त तत्वाधान में मशरूम की औद्योगिक प्रजातियां उगाने के लिए पांच दिवसीय तकनीकी प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन विज्ञान धाम, झाझरा में दिनांक 22-26 जनवरी, 2021 तक किया गया। प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रदेश के किसानों विशेषकर युवा वर्ग को ऑयस्टर, बटन, गैनोडर्मा, मिलट्री कोर्डिसैप्स प्रजाति की मशरूम के उत्पादन एवं उच्च पैदावार हेतु विशेषज्ञों द्वारा जानकारी उपलब्ध करायी गयी। प्रशिक्षण कार्यशाला में रूद्रप्रयाग के वजीरा, टिहरी के विगुण व हेवल घाटी, कौसानी, बागेश्वर, द्वाराहाट, अल्मोड़ा, पौड़ी व चकराता के 35 से ज्यादा किसानों ने प्रतिभाग गया।
- राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर शपथ कार्यक्रम का आयोजन
परिषद द्वारा दिनांक 25 जनवरी, 2021 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर परिसर स्थित विमर्श सभागार में शपथ ग्रहण समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें महानिदेशक यूकॉस्ट, डा0 राजेन्द्र डोभाल द्वारा समस्त कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों को मतदाता शपथ दिलाई गयी।
- राष्ट्रीय बालिका दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन
परिषद द्वारा दिनांक 25 जनवरी, 2021 को राष्ट्रीय बालिका दिवस पर वेबीनार कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि पदम्भूषण डा0 मंजू शर्मा, पूर्व सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली ने उपस्थित दर्ज कराते हुए प्रतिभाग कर रहें समस्त प्रतिभागियों हेतु सम्बन्धित विषय पर लोकप्रिय व्याख्यान दिया।
- स्थापना दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन
परिषद द्वारा दिनांक 03 फरवरी, 2021 को विज्ञान धाम, झाझरा में आंचलिक विज्ञान केन्द्र, देहरादून का पांचवा स्थापना दिवस मनाया गया। स्थापना दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सैन्य अकादमी (आई0एम0ए0), देहरादून के अध्ययनरत 125 कैडेट्स ने केन्द्र का भ्रमण किया। कार्यक्रम के दौरान लोकप्रिय व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें नौसेना के पूर्व रियर एडमिरल ओ0पी0एस0 राणा ने बतौर मुख्य अतिथि, उपस्थित प्रतिभागियों को सम्बोधित किया। उनके द्वारा आयुध निर्माण में विज्ञान प्रौद्योगिकी के महत्वता पर प्रकाश डाला गया। आई0एम0ए0, देहरादून से कैडेट्स के साथ उपस्थित ब्रिगेडियर शैलेश सती ने आंचलिक विज्ञान केन्द्र के माध्यम से विज्ञान के प्रचार-प्रसार हेतु संचालित कार्यों की सराहना की।

- साइंस सिटी, देहरादून हेतु एम0ओ0यू0 हस्ताक्षर

दिनांक 05 फरवरी, 2021 को माननीय मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत जी की गरिमामयी उपस्थिति में उत्तराखण्ड विज्ञान प्रौद्योगिकी परिषद (यूकोस्ट), देहरादून एवं राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एस0सी0एस0एम0), कोलकत्ता के मध्य समझौता ज्ञापन (एम0ओ0यू0) पर हस्ताक्षर किये गये। केंद्र सरकार की स्कीम फॉर प्रमोशन ऑफ कल्चर ऑफ साइंस (स्पोक्स) योजना के तहत विज्ञान धाम, झाझरा में साइंस सिटी देहरादून का निर्माण एन0सी0एस0एम0, कोलकाता के सहयोग से किया जायेगा।

लगभग 26 एकड़ में स्थापित होने वाली साइंस सिटी परियोजना चार वर्ष में तैयार होकर राज्य में विज्ञान प्रौद्योगिकी के संचार, लोकव्यापीकरण तथा नवप्रवर्तन की दिशा में विद्यार्थियों, शिक्षकों, आम-नागरिकों एवं पर्यटकों/आगन्तुकों के लिए एक महत्वपूर्ण तथा आकर्षक सुविधा होगी। अनुमानित 7 से 8 लाख लोग प्रतिवर्ष इस सुविधा से लाभान्वित हो सकेंगे। परियोजना की कुल लागत ₹0 173 करोड़ है जिसमें ₹0 88 करोड़, केंद्र सरकार तथा ₹0 85 करोड़ राज्य सरकार वहन करेगी।
- पंचायती राज प्रतिनिधियों का आंचलिक विज्ञान केन्द्र में भ्रमण

दिनांक 18 फरवरी, 2021 को कारगिल एवं लेह के ब्लॉक एवं ग्राम पंचायत के 54 प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों का दल द्वारा आंचलिक विज्ञान केन्द्र का भ्रमण किया गया जो कि उत्तराखण्ड राज्य में पंचायती व्यवस्था के अध्ययन हेतु भ्रमण पर थे।
- दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

परिषद द्वारा भारत सरकार, नई दिल्ली के वित्तीय सहयोग से संचालित "पं0 दीन दयाल उपाध्याय विज्ञान ग्राम संकुल परियोजना" के अन्तर्गत फूड प्रोसेसिंग, पैकेजिंग एवं मार्केट स्ट्रेटिजिज से सम्बन्धित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन विज्ञान धाम, झाझरा में दिनांक 19-20 फरवरी, 2021 तक किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जैम-मिक्स फलों का जैम, जूस-संतरा/माल्टा/बुरांश आदि एवं आचार - मिक्स, आम, नींबू, गारलिक, जिंजर आदि के निर्माण, पैकिंग आदि का प्रशिक्षण दिया गया।
- राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के तहत स्किल विज्ञान प्रोग्राम लांच

परिषद द्वारा दिनांक 25 फरवरी, 2021 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें स्किल विज्ञान प्रोग्राम को लांच किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पदमश्री प्रो0 आर0एन0के0 बैमेजाई, पूर्व कुलपति, एस. एम.वी.डी.यू., कटरा, जम्मू एवं कश्मीर द्वारा "Future of STI: Impact on Education, Skills and Work" विषय पर लोकप्रिय व्याख्यान दिया गया।
- दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

परिषद द्वारा भारत सरकार, नई दिल्ली के वित्तीय सहयोग से संचालित "पं0 दीन दयाल उपाध्याय विज्ञान ग्राम संकुल परियोजना" के अन्तर्गत दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन सहकारी प्रबंधन संस्थान, देहरादून द्वारा दिनांक 27-28 फरवरी, 2021 तक किया गया।
- विश्व वन्यजीव दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

परिषद द्वारा दिनांक 03 मार्च, 2021 को विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्री कुणाल सिंह, एम0सी0एस0एम0, देहरादून द्वारा "Wildlife Conservation in India" विषय पर व्याख्यान दिया गया।
- नासी उत्तराखण्ड अध्याय की वार्षिक बैठक

परिषद द्वारा दिनांक 01 मार्च, 2021 को नासी अकादमी भारत (नासी) की वार्षिक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें उत्तराखण्ड अध्याय द्वारा सम्पादित कार्यशालाओं पर विचार-मंथन किया गया।
- अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

परिषद द्वारा दिनांक 08 मार्च, 2021 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती दिनेश्वरी, सचिव, भारत सरकार द्वारा उपस्थित किया गया। कार्यक्रम के अतिथि प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की में रसायन विज्ञान पठानिया को प्रथम "मालती पुरस्कार" से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अतिथि पठानिया द्वारा "Antibiotic Resistance - a global pandemic?" विषय पर विस्तृत व्याख्यान करायी गयी।
- अन्तर्राष्ट्रीय वन दिवस का आयोजन

परिषद द्वारा दिनांक 22 मार्च, 2021 को अन्तर्राष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर वर्चुअल प्रणाली (वैबिन) के माध्यम से वर्ष 2021 की थीम "Forest restoration, recovery and well-being" अन्तर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अतिथि NEERI की वरिष्ठ वैज्ञानिक, डा0 शालिनी द्वारा "Climate sensitive restoration of Himalayas to ensure recovery and well-being" विषय पर लोकप्रिय व्याख्यान दिया गया।

- विश्व जल दिवस का आयोजन
परिषद द्वारा दिनांक 22 मार्च, 2021 को विश्व जल दिवस के अवसर पर विज्ञान सदन स्थित विमर्श सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डा0 प्रकाश चौहान, निदेशक, भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान, देहरादून द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग कर “Valuing the Water on Water Planet” विषय पर लोकप्रिय व्याख्यान दिया गया।
- विश्व मौसम दिवस का आयोजन
परिषद द्वारा दिनांक 23 मार्च, 2021 को विश्व मौसम दिवस के अवसर पर वर्ष 2021 की थीम “The Ocean, Our Climate and Weather” अन्तर्गत विश्व मौसम दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डा0 के0एस0 मिश्रा, अधिशासी निदेशक, NUREMCO एवं भूतपूर्व विशिष्ट प्राफेसर, यूपीईएस, देहरादून द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग कर “The Ocean, Our Climate and Weather” विषय पर लोकप्रिय व्याख्यान दिया गया।
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के सलाहकार का यूकॉस्ट भ्रमण
दिनांक 03 अप्रैल, 2021 को डा0 देवप्रिया दत्ता, सलाहकार एवं Head SEED & SSTP Division के परिषद भ्रमण कार्यक्रम अन्तर्गत विज्ञान सदन, आंचलिक विज्ञान केन्द्र एवं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्त पोषित “पं0 दीन दयाल उपाध्याय विज्ञान ग्राम संकुल परियोजना” द्वारा सम्पादित कार्यों का अवलोकन/निरीक्षण किया गया।
- अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का आयोजन
परिषद द्वारा दिनांक 22 मई, 2021 को अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर वर्चुअल प्रणाली (वैबीनार) के माध्यम से वर्ष 2021 की थीम “We are a part of Solution-For Nature” अन्तर्गत लोकप्रिय व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत भारतीय वनजीव संस्थान के पूर्व निदेशक डा0 जी0एस0 रावत द्वारा “Science, Policy and Practice of Biodiversity Conservation in the Context of Uttarakhand: Introspection and Prospection” विषय पर लोकप्रिय व्याख्यान दिया गया।
- विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन
परिषद द्वारा दिनांक 05 जून, 2021 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वर्चुअल प्रणाली (वैबीनार) के माध्यम से वर्ष 2021 की थीम “Ecosystem Restoration” अन्तर्गत लोकप्रिय व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डा0 समीर सिन्हा, प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड वन विभाग द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग कर “Nurturing Mother Earth: A Call to Prevent, Halt and Reverse the Degradation of Ecosystem” विषय पर लोकप्रिय व्याख्यान दिया गया।
- नासी वार्षिक बैठक में प्रतिभाग
परिषद द्वारा दिनांक 28 जून, 2021 को राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत (नासी) की वार्षिक बैठक में वर्चुअल प्रणाली (वैबीनार) के माध्यम से प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम में प्रो0 ए0एन0 पुरोहित, अध्यक्ष, नासी उत्तराखण्ड अध्याय एवं डा0 राजेन्द्र डोभाल, महानिदेशक, यूकॉस्ट/सचिव, नासी उत्तराखण्ड अध्याय द्वारा उत्तराखण्ड से प्रतिभाग किया गया।
- स्किल विज्ञान परियोजना के अन्तर्गत अभ्यर्थियों का चयन प्रक्रिया
परिषद द्वारा जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार से स्वीकृत “स्किल विज्ञान परियोजना” के अन्तर्गत विभिन्न पाठ्यक्रमों हेतु दिनांक 01 जुलाई, 2021 को इच्छुक अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गये।
- सांइस सिटी के वास्तुकार के चयन हेतु बैठक का आयोजन
परिषद द्वारा विज्ञान धाम, झाझरा में प्रस्तावित सांइस सिटी के वास्तुकार हेतु दिनांक 03 जुलाई, 2021 को प्रमुख सचिव, सूचना एवं विज्ञान प्रौद्योगिकी, उत्तराखण्ड शासन की अध्यक्षता में गठित समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विभिन्न राज्यों से आये वास्तुकारों ने प्रस्तावित सांइस सिटी हेतु अपने-अपने मॉडल्स का प्रस्तुतिकरण दिया।
- डा0 राजेन्द्र डोभाल, महानिदेशक को यू0जी0सी0-डी0ए0ई0, सी0एस0आर0, इंदौर के
परिषद के महानिदेशक डा0 राजेन्द्र डोभाल को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू0जी0सी0) द्वारा दिनांक 05 जुलाई, 2021 को डी0ए0ई0, सी0एस0आर0, इंदौर की प्रख्यात वैज्ञानिक श्रेणी के सदस्य के रूप में नामित किया गया।
- हरेला पर्व का आयोजन
परिषद द्वारा विज्ञान धाम, झाझरा में दिनांक 16 जुलाई, 2021 को हरेला पर्व के सुअवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें माननीय काबीना मंत्री श्रीमती रेखा आर्या, महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। माननीय मंत्री जी द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत राजकीय बालक एवं बालिका निकेतन, देहरादून के 25 बच्चों के साथ 100 पौधों रोपित किये गये। साथ ही माननीय मंत्री जी, समस्त बच्चों एवं उपस्थित गणमान्य अतिथियों एवं प्रतिभागियों द्वारा आंचलिक विज्ञान केन्द्र का भी भ्रमण किया गया।

- **ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन**
परिषद द्वारा आंचलिक विज्ञान केन्द्र, देहरादून में दिनांक 26 जुलाई, 2021 से "Program of Coding using Scratch" नामक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की गयी जिसे जूम प्लेटफार्म की सहायता से किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कक्षा 6 से 10वीं तक के छात्र-छात्राएं प्रतिभाग कर Scratch प्रोग्रामिंग लैंग्वेज की कोडिंग को सीख अपनी रचनात्मक एवं जिज्ञासा दिखा सकते हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 03 अगस्त, 2021 तक आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।
- **यू0एस0 पेंटेंट एण्ड ट्रेडमार्क आफिस के अधिकारियों का यूकॉस्ट भ्रमण कार्यक्रम**
दिनांक 09 अगस्त, 2021 को संयुक्त राज्य अमेरिका के पेंटेंट एण्ड ट्रेडमार्क आफिस के दो अधिकारियों श्री जॉन कबेका, यू0एस0 इन्टलेक्चुएल प्रोपर्टी एट्टेची एवं कु0 शिल्पी झा, सीनियर पॉलिसी एण्ड लिगल काउंसिल, साउथ एशिया यू0एस0 एम्बेसी द्वारा यूकॉस्ट का भ्रमण किया गया। भ्रमण के अन्तर्गत महानिदेशक यूकॉस्ट डा0 राजेन्द्र डोभाल की अध्यक्षता में बौद्धिक सम्पदा अधिकार पर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अन्तर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं उत्तराखण्ड राज्य में बौद्धिक सम्पदा अधिकार पर विस्तृत चर्चा की गयी।
- **आजादी का अमृत महोत्सव का आयोजन**
देश की आजादी की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में परिषद एवं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 09 सितम्बर, 2021 को आजादी का अमृत महोत्सव के तहत STI Institutions in the States नामक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें राज्य के विभिन्न संस्थानों/विभागों ने प्रतिभाग किया।
- **Centre of Excellence on Forest Based Livelihood परियोजना अन्तर्गत विचार मंथन सत्र का आयोजन**
परिषद द्वारा Centre of Excellence on Forest Based Livelihood परियोजना अन्तर्गत दिनांक 10 सितम्बर, 2021 को विचार मंथन सत्र का आयोजन किया गया जिसमें डा0 एस0एस0 नेगी, उपाध्यक्ष, ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग, उत्तराखण्ड ने सत्र की अध्यक्षता की।
- **MOU को अंतिम रूप देने हेतु गठित समिति की बैठक का आयोजन**
सांइस सिटी, देहरादून की कार्यकारिणी समिति की बैठक दिनांक 28 अगस्त, 2021 में सांइस सिटी देहरादून के वास्तुकार के रूप में मै0 M/s Chelsa West Architects Pvt Ltd, New Delhi/New York का चयन हुआ है। इसी क्रम में परिषद द्वारा दिनांक 10 सितम्बर, 2021 को MOU के अंतिम रूप देने हेतु गठित समिति की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें डा0 एस0एस0 नेगी, उपाध्यक्ष, ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग, उत्तराखण्ड ने सत्र की अध्यक्षता की।
- **परियोजना समीक्षा एवं मूल्यांकन बैठक का आयोजन**
परिषद द्वारा दिनांक 20-21 सितम्बर, 2021 को मंथन सभागार में शोध एवं विकास परियोजना समीक्षा एवं मूल्यांकन बैठक का आयोजन किया गया जिसमें 54 पूर्व स्वीकृत परियोजनाओं की समीक्षा की गयी एवं 24 नयी परियोजनाओं का मूल्यांकन किया गया।
- **बौद्धिक सम्पदा अधिकार पर ऑनलाइन लोकप्रिय व्याख्यान**
परिषद द्वारा दिनांक 22 सितम्बर, 2021 को बौद्धिक सम्पदा अधिकार विषय पर राजकीय पी0जी0 कॉलेज रुद्रप्रयाग में ऑनलाइन लोकप्रिय व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- **आजादी का अमृत महोत्सव का आयोजन**
देश की आजादी की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में परिषद एवं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 01 अक्टूबर, 2021 को आजादी का अमृत महोत्सव के तहत Human Resource Development नामक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें राज्य के विभिन्न संस्थानों/विभागों ने प्रतिभाग किया।
- **बौद्धिक सम्पदा अधिकार पर ऑनलाइन लोकप्रिय व्याख्यान**
परिषद द्वारा दिनांक 03 अक्टूबर, 2021 को बौद्धिक सम्पदा अधिकार अन्तर्गत जी0आई0 विषय पर ऑनलाइन लोकप्रिय व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- **राज्य स्थापना दिवस पर लोकप्रिय व्याख्यान का आयोजन**
परिषद द्वारा दिनांक 09 नवम्बर, 2021 को राज्य स्थापना दिवस के सुअवसर पर विज्ञान सदन स्थित मंथन सभागार में लोकप्रिय व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्री अजय शर्मा, प्रख्यात इतिहासकार ने राज्य आंदोलन एवं उससे सम्बन्धित विषयों पर चर्चा की। कार्यक्रम में श्री राकेश ओबराय, एम0डी0, ओबराय मोटर्स, श्री जयराज, पूर्व हॉफ, उत्तराखण्ड एवं डा0 राजेन्द्र डोभाल, महानिदेशक, यूकॉस्ट द्वारा राज्य स्थापना दिवस पर उपस्थित प्रतिभागियों को सम्बोधित किया।
- **राज्य स्थापना दिवस पर आंचलिक विज्ञान केन्द्र, देहरादून का भ्रमण कार्यक्रम**
21वें राज्य स्थापना दिवस पर परिषद द्वारा 09-10 नवंबर, 2021 को दर्शकों के लिए मुफ्त भ्रमण के साथ अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इसरो

की विकास यात्रा, अक्षांश देशांतर रेखाओं तथा टाइम जोन्स आदि साइंस फिल्मों का प्रदर्शन एलईडी बल्ब बनाना एवं रिपेयर तथा खाद्य पदार्थों में मिलावट के लिए घरेलू परीक्षण आदि पर साइंस डेमोंस्ट्रेशन्स लेक्चर, ग्लोबल वार्मिंग: कारण तथा निवारण विषय पर लेक्चर तथा श्री डी फिल्म प्रदर्शन आदि का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्पेक्स संस्था से आये तकनीशियन ने साइंस डेमोंस्ट्रेशन लेक्चर प्रदान किया। दर्शकों ने विभिन्न गैलरियों का भ्रमण भी किया, जिसमें उन्होंने हिमालय गैलरी की बहुत सराहना की। इन दो दिनों में एसएस पब्लिक स्कूल, शिवालिक कॉलेज, माया कॉलेज, उत्तरांचल यूनिवर्सिटी के छात्रों के अलावा जलवायु टावर सोसाइटी एवं जनसामान्य से ढाई सौ से अधिक दर्शकों ने मुफ्त भ्रमण का लाभ उठाया।

● आजादी का अमृत महोत्सव का आयोजन

देश की आजादी की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में परिषद एवं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 15 नवम्बर, 2021 को आजादी का अमृत महोत्सव के तहत "R&D Infrastructure" नामक विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें राज्य के विभिन्न संस्थानों/विभागों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में ई0 किरित कुमार, प्रभारी निदेशक, जी0बी0 पंत राष्ट्रीय हिमालय संस्थान, अल्मोड़ा, डा0 एन0के0 उप्रेती, वैज्ञानिक 'जी', वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून, डा0 राजेन्द्र डोभाल, महानिदेशक, यूकॉस्ट, डा0 डी0पी0 उनियाल, संयुक्त निदेशक (प्रभारी) एवं डा0 अपर्णा शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, यूकॉस्ट ने कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों को सम्बोधित किया।

● नासी लोकप्रिय व्याख्यान का आयोजन

परिषद एवं नासी, उत्तराखण्ड अध्याय के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 26 नवम्बर, 2021 को नासी लोकप्रिय व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें डा0 संजीव मिश्रा, निदेशक, भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर द्वारा "Lesson to learn to post COVID situation in Indian Scenario" विषय पर व्याख्यान दिया गया।

● नासी उत्कृष्ट विज्ञान शिक्षक पुरस्कार चयन समिति की बैठक का आयोजन

परिषद एवं नासी, उत्तराखण्ड अध्याय के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 26 नवम्बर, 2021 को नासी उत्कृष्ट विज्ञान शिक्षक पुरस्कार चयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें प्रो0 ए0एन0 पुरोहित, अध्यक्ष, नासी, उत्तराखण्ड अध्याय एवं पूर्व कुलपति, एच0एन0बी0 गढ़वाल विश्वविद्यालय, डा0 बी0आर0 अरोड़ा, सलाहकार, नासी, उत्तराखण्ड अध्याय एवं पूर्व निदेशक, वाडिया भूविज्ञान संस्थान, डा0 राजेन्द्र डोभाल, महानिदेशक, यूकॉस्ट, डा0 संजीव मिश्रा, निदेशक, भारतीय आयुर्विज्ञान

संस्थान, जोधपुर, डा0 डी0पी0 उनियाल, संयुक्त निदेशक (प्रभारी) एवं डा0 मनमोहन सिंह रावत, वैज्ञानिक अधिकारी (प्रभारी) ने प्रतिभाग किया।

● द्वितीय देहरादून अन्तर्राष्ट्रीय विज्ञान एवं तकनीकी महोत्सव का आयोजन

परिषद एवं दिव्य हिमगिरी के संयुक्त तत्वाधान में 04 दिवसीय द्वितीय देहरादून अन्तर्राष्ट्रीय विज्ञान एवं तकनीकी महोत्सव का आयोजन किया गया जिसके अन्तर्गत विभिन्न दिवसों में हिमालयन कुलपति कॉन्क्लेव एवं हिमालयन मीट: दि डिवाइन हैरीटेज ऑफ हिमालया आदि विभिन्न तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। उक्त के अतिरिक्त 04 दिवसों में देश एवं राज्य के विभिन्न वैज्ञानिक संस्थानों, शैक्षिक संस्थानों आदि के माध्यम से प्रदर्शनी भी लगायी गयी।

● आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत कार्यक्रम का आयोजन

परिषद एवं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 14 दिसम्बर, 2021 को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत "Indigenous Technologies" विषय पर सत्र का आयोजन किया गया।

● कौशल विकास का कार्यक्रम का शुभारम्भ

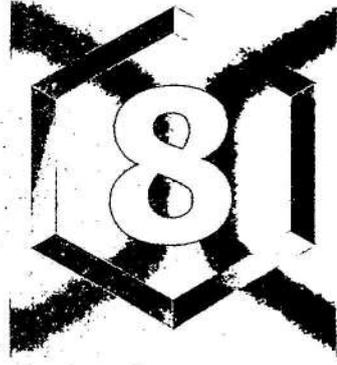
परिषद एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के संयुक्त तत्वाधान में संचालित परियोजना "स्किल विज्ञान प्रोग्राम" के अन्तर्गत दिनांक 21 दिसम्बर, 2021 को हेमवती नंदन गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से कौशल विकास कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। उक्त कार्यक्रम के अन्तर्गत चयनित प्रतिभागियों को 03 माह का प्रशिक्षण दिया जायेगा जिसमें युवाओं को जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपार संभावनाएं मिल सकेंगी।

● डी0एस0टी0 स्टेट काउंसिल बैठक में प्रतिभाग

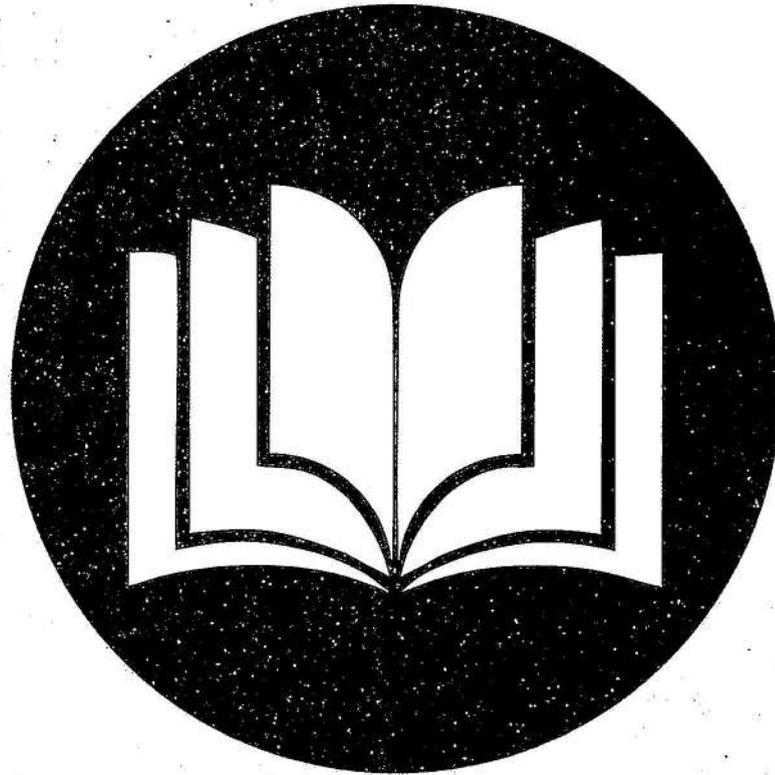
परिषद द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डी0एस0टी0), भारत सरकार के तत्वाधान में आयोजित डी0एस0टी0 स्टेट काउंसिल की बैठक में वर्चुअल माध्यम से दिनांक 21 दिसम्बर, 2021 को प्रतिभाग किया गया।

● आर0एस0 टोलिया फोरम का आयोजन

परिषद एवं सतत विकास मंच, उत्तरांचल (SDFU) के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 24 दिसम्बर, 2021 को आर0एस0 टोलिया फोरम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत एक लोकप्रिय व्याख्यान एवं यूथ डाइलॉग आयोजित किये गये।



लेखा परीक्षा रिपोर्ट
(वित्तीय वर्ष 2020-21)





MSRA & ASSOCIATES
chartered accountants

30/1 Teg Bhadur Road, Dehradun.

AUDITOR'S REPORT

Report on the Financial Statements

We have audited the accompanying financial statements of the "Uttarakhand State Council for Science & Technology, Dehradun," which comprises the Balance Sheet as at 31st March 2021 & Income /Expenditure Account for the period as at 31st March 2021 and a summary of significant accounting policies and other explanatory information. These statements are the responsibility of Council Management. Our responsibility is to express an opinion on the accompanying financial statements based on our audit.

Auditor's Responsibility

We have conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing generally accepted in India. Those Standards require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatement.

An audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes evaluating the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates made by the Management, as well as evaluating the overall presentation of the financial statements.

We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion on the financial statements.

Opinion

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the aforesaid standalone financial statements give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India.

Based on our audit, we report that:

- (i) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit.
- (ii) In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by Council
- (iii) The Balance Sheet and Receipt & Income/Expenditure Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

**For MSRA & Associates
Chartered Accountants
FRN No.020115C**

**Place : Dehradun
Dated : 05/01/2021**

**CA Munish Sadana
M.No. 401337**

UTTARAKHAND STATE COUNCIL FOR SCIENCE & TECHNOLOGY
VIGYAN DHAM, JHAJRA, DEHRADUN
BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2021

PARTICULARS	SCHEDULE	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
LIABILITIES			
GRANT FUND	A	26,192,074.75	10,501,897.00
GENERAL FUND (Interest fund & Depreciation fund)	B	6,951,085.55	6,734,456.00
FIXED ASSET CAPITAL FUND	C	47,893,470.17	39,185,102.17
SCIENCE CITY FUND	D	-	-
PROJECT/ PROGRAMMES (Funds from DST, Govt of Uttarakhand)		80,674,041.51	98,651,504.00
CURRENT LIABILITIES -Duties & Taxes- GPF/NPF/NPS/GIS/HBA		-	510,211.00
Total.....		161,710,671.98	155,583,170.17
ASSETS			
FIXED ASSETS	E	47,893,470.17	39,185,102.17
PROJECT/ PROGRAMMES (Funds from DST, Govt of Uttarakhand)		80,674,041.51	98,651,504.00
CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES	F	33,143,160.30	17,746,564.00
Total.....		161,710,671.98	155,583,170.17

Significant Accounting Policies & Notes on Accounts

"As Per Our Separate Report of Even Date"

FOR MSRA & ASSOCIATES
CHARTERED ACCOUNTANTS

CA MUNISH SADANA
[FCA, PARTNER]
[M No. 401337]
[FRN No. 020115C]

S. D. BIJALWAN
[ACCOUNTANT]

JITENDRA KUMAR
[ACCOUNT OFFICER]

Dr. RAJENDRA DOBHAL
[DIRECTOR GENERAL]

Date: 05/11/2021
Place:Dehradun

UTTARAKHAND STATE COUNCIL FOR SCIENCE & TECHNOLOGY
VIGYAN DHAM, JHAJRA, DEHRADUN
RECEIPT & PAYMENT A/C FOR THE YEAR ENDING ON 31ST MARCH 2021

PARTICULARS	SCH No.	UCOST MAIN	PLA ACCOUNT	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
Balances as on April 1, 2020					
<i>SBI Saving A/c No.30011141888</i>		9,983.00	-	9,983.00	2,332,378.00
<i>UBI A/c No.5097</i>		6,853,042.00	-	6,853,042.00	12,426,594.00
<i>PLA Account No 844800110000000</i>		-	10,595,892.00	10,595,892.00	
Cash in Hand		-	-	-	
Petty Cash (Imprest money)		39,000.00	-	39,000.00	20,000.00
Grant-in-Aid received form Govt of Uttarakhand	I	-	89,720,000.00	89,720,000.00	50,994,000.00
Grant in Aid received from Others	I	9,742,225.00	-	9,742,225.00	
Grant in Aid refunded	I	1,198,666.75	-	1,198,666.75	
Bank Interest		216,421.00	-	216,421.00	418,209.00
Miscellaneous Receipt		890.00	-	890.00	20.00
Staff Advance Adjusted for Last Year		30,000.00	-	30,000.00	-
Taxes Payable		-	-	-	510,211.00
Total (A) in Rs....		18,090,227.75	100,315,892.00	118,406,119.75	66,701,412.00
<u>PAYMENTS</u>					
Direction & Administration	G				
<i>Recurring Expenses</i>		11,911,471.45	16,557,382.00	28,468,853.45	22,398,855.00
<i>Capital Expenditure</i>		430,275.00	8,278,093.00	8,708,368.00	2,005,578.00
Research & Development					
<i>Capital Expenditure- Books & Charts</i>		-	-	-	
Campus Maintenance		864,726.00	-	864,726.00	2,229,771.00
Grant-in-Aid Disbursed	J	855,650.00	34,325,476.00	35,181,126.00	22,539,291.00
Project Expenses	J	416,160.00	-	416,160.00	
Regional Science Centre Expenditure		-	11,332,162.00	11,332,162.00	
Advance to Staff		476,000.00	-	476,000.00	30,000.00
Taxes paid during the year		510,211.00	-	510,211.00	-
Total (B) in Rs....		15,464,493.45	70,493,113.00	85,957,606.45	49,203,495.00
Balances (A-B) as on 31 March, 2021					
<i>PLA A/c No 844800110000000</i>		-	29,822,779.00	29,822,779.00	10,595,892.00
<i>SBI A/c No.30011141888</i>		9,983.00	-	9,983.00	9,983.00
<i>UBI A/c No.5097</i>		2,576,751.30	-	2,576,751.30	6,853,042.00
Cash in Hand		-	-	-	
Advance For Petty Cash (Imprest money)		39,000.00	-	39,000.00	39,000.00
		2,625,734.30	29,822,779.00	32,448,513.30	17,497,917.00

"As Per Our Foot Note on the Balance Sheet of Even Date"

FOR MSRA & ASSOCIATES
CHARTERED ACCOUNTANTS

CA MUNISH SADANA
[FCA, PARTNER]
[M No. 401337]
[FRN No. 020115C]

S. D. BIJALWAN
[ACCOUNTANT]

JITENDRA KUMAR
[ACCOUNT OFFICER]

Dr. RAJENDRA DOBHAL
[DIRECTOR GENERAL]

Date: 05/11/2021
Place:Dehradun

UTTARAKHAND STATE COUNCIL FOR SCIENCE & TECHNOLOGY
VIGYAN DHAM, JHAJRA, DEHRADUN
INCOME & EXPENDITURE A/C FOR THE YEAR ENDING ON 31ST MARCH 2021

PARTICULARS	SCHEDULE	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
<u>INCOME</u>			
Grant in Aid from Govt of Uttarakhand Utilized		68,483,166.00	47,165,814.00
		68,483,166.00	47,165,814.00
<u>EXPENDITURE</u>			
Direction & Administartion	(K)	20,688,992.00	22,396,752.00
Grant-in-Aid Disbursed	(K)	35,181,126.00	22,539,291.00
Regional Science Centre Expenditure		11,332,162.00	
Campus Maintenance		864,726.00	2,229,771.00
Project Expenses	(K)	416,160.00	-
Transfer to Depreciation Fund	(D)	3,336,258.43	2,771,296.00
		71,819,424.43	49,937,110.00

Deficit being Excess of Expenditure over
Income (Transferred to General fund) (3,336,258.43) (2,771,296.00)

"As Per Foot Note on the Balance Sheet of Even Date"

FOR MSRA & ASSOCIATES
CHARTERED ACCOUNTANTS

CA MUNISH SADANA
[FCA, PARTNER]
[M No. 401337]
[FRN No. 020115C]

S. D. BIJALWAN
[ACCOUNTANT]

JITENDRA KUMAR
[ACCOUNT OFFICER]

Dr. RAJENDRA DOBHAL
[DIRECTOR GENERAL]

Date: 05/11/2021
Place:Dehradun